स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लाइफ

भाविप्रा द्वारा अनुमोदित वार्षिकी विकल्प

वार्षिकी खरीद कर सेवानिवृत्ति पर संचित निधि को स्थिर और आवधिक आय में परिवर्तित करने की व्यवस्था।

- **एकल वार्षिकी**

1. जीवन वार्षिकी
2. कॉर्पस की वापसी के साथ जीवन वार्षिकी

- **संयुक्त और उत्तरजीवी वार्षिकी**

1. संयुक्त जीवन (अंतिम उत्तरजीवी) वार्षिकी (50% या 100%)
2. संयुक्त जीवन (अंतिम उत्तरजीवी) कॉर्पस की वापसी के साथ वार्षिकी

विकल्प 1 - जीवन वार्षिकी

1. वार्षिकी वार्षिकीदार के पूरे जीवन काल में एक स्थिर दर पर देय है।
2. कोई मृत्यु लाभ देय नहीं है।

विकल्प 2 - जीवन वार्षिकी खरीद मूल्य / कॉर्पस की वापसी के साथ

1. वार्षिकी वार्षिकीदार के पूरे जीवन काल में एक स्थिर दर पर देय है।
2. वार्षिकीदार की मृत्यु पर, वार्षिकीदार का वार्षिकी खरीद मूल्य नामांकित व्यक्ति को एकमुश्त देय होता है।

विकल्प 3 - संयुक्त जीवन (अंतिम उत्तरजीवी) वार्षिकी

1. वार्षिकी वार्षिकीदार के पूरे जीवन काल में एक स्थिर दर पर देय है।
2. यदि वार्षिकीदार का जीवनसाथी उसके मृत्यु के पश्चात जीवित रहता है, तो उसे उसके बाद एक जीवन वार्षिकी प्राप्त होगी, जो कि वार्षिकीदार को भुगतान की गई अंतिम वार्षिकी राशि का 100% या 50% होगा।
3. अंतिम वार्षिकी कर्ता की मृत्यु होने पर कोई मृत्यु लाभ देय नहीं है।

विकल्प 4 - कॉर्पस की वापसी के साथ संयुक्त जीवन वार्षिकी

1. विकल्प 6 के समान ही लाभ। इसके अलावा, अंतिम वार्षिकी धारक की मृत्यु पर, नामांकित व्यक्ति को वार्षिकी खरीद मूल्य एकमुश्त देय होगा।